दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 14
मुरादाबाद
05 May 2025
(Monday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार-पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

वायुसेना प्रमुख ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच अहम बैठक

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में यह अहम बैठक हुई। इससे पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें अरब सागर में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की समग्र स्थिति से अवगत कराया था। लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास पर बैठक वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर हुई यह बैठक पीएम की अध्यक्षता में उस बैठक के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक भी हुई थी पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। सरकार ने आतंकवाद को करारा झटका देने के भारत के राष्ट्रीय संकल्प के प्रतिबद्धता जताई। पीएम मोदी ने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों और इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी। सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी- इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ सरकार की ओ से की गई किसी भी कार्रवाई के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया है। सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों को उजागर किया गया। यह पाया गया कि यह हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ। सरकार ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कड़ी कार्रवाइयां कीं। सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। इसके अलावा भी मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाई हैं।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान पर साधा निशाना, कहा- हमें उपदेशकों की नहीं, भागीदारों की तलाश

पाकिस्तान यूएन और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के समर्थन की बात नकारता है, लेकिन आतंक को पनाह देता है। नई दिल्ली में हो रहे आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री ने कहा कि हम दुनिया में भागीदारों की तलाश करते हैं, उपदेशकों की नहीं। हमें ऐसे उपदेशक नहीं पसंद हैं, जो विदेश में उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते।पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़ रहे तनाव को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर निशाना साधा। नई दिल्ली में हो रहे आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री ने कहा कि हम दुनिया में भागीदारों की तलाश करते हैं, उपदेशकों की नहीं। हमें ऐसे उपदेशक नहीं पसंद हैं, जो विदेश में उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते।दरअसल पाकिस्तान यूएन और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के समर्थन की बात नकारता है, लेकिन आतंक को पनाह देता है।विदेश मंत्री ने कहा कि यूरोप के कुछ देश अभी भी उपदेशक बने हुए हैं। यूरोप वास्तविकता की जांच के एक निश्चित क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। वे आगे बढ़ने में सक्षम हैं या नहीं, यह हमें देखना होगा। अगर हमें साझेदारी विकसित करनी है, तो कुछ समझ, संवेदनशीलता, हितों की पारस्परिकता और दुनिया कैसे काम करती है, इसका एहसास होना चाहिए।डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि आर्कटिक के साथ हमारी भागीदारी बढ़ रही है।

शिवानंद बाबा नहीं रहेः पीएम मोदी बोले- योग से समाज की सेवा की, उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा

योग साधक शिवानंद बाबा स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह तीन दिनों से बीएचयू में भर्ती थे। बीते दिन देर रात उनका शव दुर्गाकुंड स्थित आश्रम पर लाया गया।योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा का गया। 129 वर्ष के योग वाराणसी के बीएचयू सांस ली। डॉ. देवाशीष ने ने शनिवार की रात 8.30 अंतिम सांस ली। उनके नरेंद्र मोदी ने भी दुख %एक्स% पर लिखा, शनिवार रात निधन हो गुरु पद्मश्री शिवानंद ने अस्पताल में अंतिम बताया कि योग गुरु बजे इलाज के दौरान निधन पर प्रधानमंत्री जताया।उन्होंने %योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था। शिवानंद बाबा का शिवलोक प्रयाण हम सब शीवासियों और उनसे प्रेरणा लेने वाले करोड़ों लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं इस दु:ख की घड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।%अन्न नहीं खाते थे पद्मश्री शिवानंद- पद्मश्री शिवा नंद अन्न नहीं खाते थे। योग गुरु और योग साधना में निपुण थे। वह योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते थे। वह महाकुंभ में भी स्नान के लिए पहुंचे थे। आश्रम से जुड़े लोगों का दावा है कि वह देश के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे। उन्हें 2022 में पद्मश्री से नवाजा गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें सम्मानित किया था। योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते थे योग गुरु शिवानंद योग साधना को ज्यादा प्राथमिकता देते और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करते थे। अस्पताल के डॉ देवाशीष ने बताया कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह तीन दिनों से बीएचयू में भर्ती थे। उनका पार्थिव शरीर शनिवार की देर रात दुर्गाकुंड स्थित आश्रम पर लाया गया। शिष्यों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार रविवार को हरिश्चंद्र घाट पर किया जाएगा।

कांग्रेस राज की गलतियों का जिम्मा लेता हूं, राहुल के पुराने वीडियो को भाजपा ने राजनीतिक ढोंग कहा

पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और भारत से जुड़े कई मामलों पर अपनी बात रखी थी। इसी दौरान का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सिख व्यक्ति ने इतिहास में समुदाय के प्रति कांग्रेस के बर्ताव पर सवाल उठाए। शख्स ने सज्जन कुमार और उनके जैसे नेताओं का कांग्रेस में होने का जिक्र किया। इस पर राहुल ने कहा कि जो कुछ भी हुआ, उस वक्त मैं नहीं था। हालांकि, कांग्रेस राज में जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए मैं जिम्मेदारी लेता हूं। इस वीडियो को भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी पोस्ट किया और राहुल के बयान को राजनीतिक ढोंग करार दिया।भाजपा नेता की ओर से शेयर किए गए वीडियो पर 21 अप्रैल 2025 की तारीख दिखाई दे रही है। कार्यक्रम वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटीनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित किया गया था। इस दौरान एक सत्र में राहुल ने हिस्सा लिया था, जब वहां मौजूद लोगों ने उनसे सीधे सवाल किए थे। इस दौरान राहुल से एक सिख शख्स ने राहुल से तीखे सवाल किए थे और कांग्रेस के बीते इतिहास को याद दिलाया था।सिख व्यक्ति ने राहुल गांधी से पूछा कि आपने अपनी पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान ट्वीट किया था, जिसमें आपने भारत और बाहर के सिखों से बात की थी। आपने पूछा था कि क्या भाजपा राज में आपको कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने दिया जा रहा है? जबकि कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी। पार्टी ने सिखो के बीच एक डर तैयार किया, जैसा आप भाजपा को बता रहे हैं। आप निष्पक्ष राजनीति की बात करते हैं, डर के बिना राजनीति की बात करत हैं। हम सिर्फ कड़ा नहीं पहनना चाहते हैं, सिर्फ पगड़ी नहीं बांधना चाहते हैं। हम अभिव्यक्ति की आजादी चाहते हैं, जो कांग्रेस पार्टी ने इतिहास में हमें नहीं दी। आपकी पार्टी ने कभी गलती मानने की परिपक्वता नहीं दिखाई। सज्जन कुमार जैसे नेता इसके उदाहरण हैं। ऐसे कई नेता आज भी पार्टी में हैं। आप सिख समुदाय के साथ इसे कैसे सुधारेंगे? अब पढ़िए राहुल का जवाब - राहुल गांधी ने जवाब में कहा, %बहुत कुछ तब हुआ, जब मैं राजनीति में नहीं था। हालांकि, मैं कांग्रेस पार्टी की ओर से की गई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा भी है कि 80 के दशक में जो कुछ भी हुआ, वह गलत था। सिख समुदाय के साथ मेरे अच्छे रिश्ते रहे हैं। रही बात भाजपा की तो उनके शासनकाल में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर जो डर का माहौल है, वह सच में है।

अखिलेश यादवः सपा सरकार के कामों की दुनिया में हो रही सराहना, कपिल देव ने की पुलिस मुख्यालय की तारीफ

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना आज देश और दुनिया में हो रही है। यहां तक कि कपिल देव ने इसकी तारीफ की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में हुए विकास कार्यों की देश-दुनिया में सराहना हो रही है। समाजवादी सरकार ने लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम, आधुनिक सुविधाओं से लैस पुलिस मुख्यालय की सिग्नेचर बिल्डिंग, एशिया का सबसे बड़ा जनेश्वर मिश्र पार्क, विश्वस्तरीय गोमती रिवरफ्रंट और मेट्रो रेल, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया।अखिलेश ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि समाजवादी सरकार में हर कार्य विश्वस्तरीय किया गया। सपा सरकार के समय लखनऊ में बने वर्ल्ड क्लास पुलिस मुख्यालय की महान क्रिकेटर कपिल देव ने सराहना की है। बड़ी सोच से प्राप्त हुई उपलब्धि का मोल और मान वही समझ सकता है, जिसने स्वयं बड़ी उपलब्धि पाई हो। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में बनाई गई आईटी सिटी की कंपनियों में पढ़े लिखे हजारों नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिल रहा है।

ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, बोले- जातिगत जनगणना की घोषणा ने उड़ा दी है सपा अध्यक्ष की नींद

सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना की घोषणा ने सपा अध्यक्ष की नींद उड़ा दी है। वहीं सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने के बयान को धोखा बताया। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष को पिछड़ों और जातीय जनगणना कराने के फैसले ने अखिलेश की नींद उड़ा दी है। सताने लगा है।राजभर ने कहा कि जब तक सपा अध्यक्ष सत्ता में रहे, लिए राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समाज और चाचा का नहीं हो सका, वो राजभर समाज का क्या होगा? सपा की है। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश के साथ रह चुके हैं और उनकी जाएगा उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा। इसलिए, वह अब राजभर समाज को धोखा देने की कोशिश में जुट गए हैं। राजभर ने समाजवादी पार्टी पर दलितों को %गुलाम% समझने का भी आरोप लगाया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सत्ता में आने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने संबंधी दलितों को ठगने की पुरानी आदत है। राजभर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा वह भीतर से हिल गए हैं और उन्हें पिछड़ा और दलित वोट बैंक छिटकने का डर उन्हें कभी महाराजा सुहेलदेव की याद नहीं आई। अब वोट बैंक की राजनीति के अब उनके झांसे में नहीं आएगा। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि जो अपने पिता अध्यक्ष ने न तो बसपा को छोड़ा, न जयंत चौधरी को, उनकी फितरत केवल ठगने कार्यशैली को अच्छे से जानते हैं। जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक

संपादकीय Editorial

'Socialism' of caste census

Prime Minister Modi used to call those demanding caste census as 'urban Naxals'. Now what will he call himself and the members of the 'super cabinet', who have suddenly decided to count castes in the census itself? UP Chief Minister Yogi Adityanath still believes that caste census is a 'Talibani mentality' and it is an attempt to deprive Dalits of reservation. What will the Prime Minister comment on this statement? There were some confusions in the BJP and the Sangh regarding the caste census, but in the 2024 Lok Sabha elections, caste polarization came to the fore in such a way that the BJP got stuck at only 33 out of 80 seats in UP, as a result of which it could not get a simple majority in the Lok Sabha. A coalition government had to be formed at the Center. However, after 2014, OBCs and Dalits became the new support base of the BJP. BJP is no longer a 'party of Brahmins-Baniyas'. OBCs gave more than 42 percent votes to the BJP in the 2024 parliamentary elections, but Dalits have been coming and going in favor of the BJP. After the Lok Sabha elections, such analysis was done within the Sangh and BJP that new caste basis should be decided. Facilities and caste share in the fields of education, employment, health, housing etc. should be ensured to the castes on the basis of their numbers. It was also assessed that now it is not possible to ignore the influence and mandate of castes and sub-castes, so the government came to the decision of caste census. It is not yet decided on which basis caste census should be conducted. It is definitely certain that the way more than 46 lakh castes came to light after the socio-economic caste census of 2011, the census will not be conducted on that basis more or less. The total number of castes counted during the 1931 census was 4147. How did such a difference come? The findings of the 2011 census were not even made public. However, BJP's thinking on reservation has been different. The purpose of caste census is directly related to reservation. In the 1990 election manifesto, BJP had written that reservation should be on economic basis. Now, with the numbers that will come out after the caste census, it will not be possible to give reservation and share to everyone. The basic vision of the BJP-RSS is that how much political benefit will be derived from counting and isolating the castes and the social fabric of the country will also remain intact. In fact, caste census is neither 'socialism' for BJP, Congress nor for regional parties like SP, BSP, RJD, Janata Dal-U. Social justice and harmony are also political slogans. After the report of the Mandal Commission in 1990, reservation in education and jobs was decided for OBCs. This reservation is 27.5 percent in the rest of India except the southern states. As a result of reservation, some OBCs started prospering and also came into the mainstream. Small political parties were also formed on the basis of OBC politics. Some are still in existence. Parallel to Mandal, Kamandal politics also started, hence BJP became the largest party in the country and the House. It is also a reality that even today there are 994 castes which got the benefit of only 1-2 percent reservation. The anomalies in reservation should be eliminated before the caste census. Through caste census, BJP will create a new narrative and try to make political inroads in Tamil Nadu and Kerala. In Tamil Nadu, by raising the issue of share among castes like Gounder, Thevar based on their numbers, a dent can be made in the Dravidian vote. The caste census will change the political outlook of the Hindi belt and this change can also be felt in the non-Hindi belt. BJP believes that now movements like Maratha reservation, Jat and Gurjar reservation will weaken. However, right now the decision of caste census has been taken by the cabinet and a section of the opposition has become busy in doing politics of taking credit. Congress leader Rahul Gandhi has started making more noise on the issue of increasing the maximum limit of reservation from 50 percent to 63 percent or more.

Caste census should be used meaningfully, fear of promoting social divide

Government jobs are a big reason for the growing demand for reservation, but they are constantly decreasing. It is an irony that the parties who talk about social justice and even the leaders of Congress have a very negative attitude towards the private sector which is providing jobs. After all, how will things work out in such a situation? Finally, the Modi government took the unexpected decision to conduct a caste-based census. Before this, the British had conducted such a census in 1931. Since then, no government has felt the need for a caste-based census. However, its demand kept coming from time to time. The Manmohan government conducted a socio-economic caste census in the form of a survey in 2011 under pressure from some regional parties, but due to confusing data, it was not made public. For the past few years, Rahul Gandhi has been stressing a lot on the demand for a caste-based census. He was also leaving behind parties like SP, RJD in this matter. This was surprising because the Congress has never been in favor of a caste-based census. Rahul had created such an environment as if caste census is the only solution for the welfare of the deprived-backward and especially the OBC class. This made it seem that the BJP will have to find a solution to this. Finally, it reached the conclusion that it is better to conduct caste census. It probably reached this conclusion because it feared that the demand for caste census may dent its OBC vote bank. Whatever it may be, it is not hidden from anyone that most parties play their political cards on the axis of caste and religion. That is why as soon as caste reservation was announced, there was a race to take credit for it. The reason for this is to present itself as a well-wisher of OBC more than others and ultimately to get their votes. The Congress, which opposed OBC reservation the most, is now going ahead of even the regional parties doing caste politics and trying to convince the OBC section that they will be found socially and economically backward in caste census and hence it will be easier for them to get more reservation in educational institutions and jobs. Like SC-ST, OBC reservation is based on caste backwardness. Since apart from reservation, many social welfare schemes are based on caste backwardness, therefore correct data of deprived-backward castes is a must. This will help in proper implementation of reservation policies along with social welfare schemes. It is not hidden from anyone that some capable backward castes in every reserved category have become capable by taking advantage of reservation and the changes brought about due to economic progress. They do not need reservation now, but if we look at the leaders of such castes, it is clear that in the name of upliftment of backward castes, they have benefited their own caste people. Is this social justice? The backward caste people are not benefiting much more than the capable castes of backward castes taking maximum benefit of reservation. Only when this anomaly is removed and only eligible people get the benefit of reservation, the real objectives of caste census will be achieved. It is not right to assume that all the backward classes are socio-economically backward. Like SC-ST castes, a section of backward castes has also stood on its own feet in the last four decades and is included in the mainstream. Many people of such sections do not want to be seen through the social lens of forward-backward. After the announcement of caste-wise census, the demand for increasing the limit of reservation is sure to intensify. Rahul Gandhi has made such a demand again. How far will the limit of caste-based reservation increase? It has already reached 50 percent and some states have increased it to 60-70 percent. 10 percent reservation is also on economic basis. The reservation system should be such that it does not ignore merit. If the country has to progress, then we have to give top priority to merit. Meritorious people of every section should get an opportunity to move forward. If merit is ignored due to reservation, then the future of the country cannot be bright. A major reason for the increasing demand for reservation is government jobs, but they are continuously decreasing. It is an irony that the attitude of the parties talking about social justice and even the leaders of Congress is extremely negative towards the private sector which is providing jobs. After all, how will things work out in such a situation? No matter how much the reservation increases, it is not possible to give its benefits to everyone, because there is a limit to government jobs. The system of reservation should not be such that those who are most backward are left behind in getting its benefits. Another reason for the demand for caste-based reservation is the lack of good educational institutions in the country. Considering the population, this shortage is very high and it is not hidden from anyone that the leaders never show seriousness in ensuring that everyone gets quality education. Caste is a bitter reality of India. It is good that along with Hindus, caste census will be conducted among Muslims and other communities as well. It should be conducted because caste exists everywhere. Even in those communities which call themselves casteless. The Muslim community is divided into many castes. The rich and prosperous castes of this community like Syed, Sheikh, Pathan take maximum benefit of minority welfare schemes in the same way as some rich castes of backward classes take advantage of caste-based reservation. Like Muslims, Christian, Sikh and Buddhist communities are also not untouched by caste discrimination. There is no harm in caste-wise counting along with the census, but the danger is that the leaders who talk about social justice will promote social divide through caste census. This danger is real. This is because many parties do not talk about any particular caste, they have projected themselves as friendly parties of some particular castes. They clearly pit some castes against other castes. This is not social justice, but injustice. This politics increases caste division and caste animosity. Such politics can weaken social unity. Some efforts will have to be made to prevent this from happening. Rahul Gandhi has made such a demand again. How far will the limit of caste-based reservation increase? It has already reached 50 percent and some states have increased it to 60-70 percent. 10 percent reservation is also on economic basis. The reservation system should be such that it does not ignore merit. If the country has to progress, then we have to give top priority to merit. Meritorious people of every section should get an opportunity to move forward. If merit is ignored due to reservation, then the future of the country cannot be bright. A major reason for the increasing demand for reservation is government jobs, but they are continuously decreasing. It is an irony that the attitude of the parties talking about social justice and even the leaders of Congress is extremely negative towards the private sector which is providing jobs. After all, how will things work out in such a situation? No matter how much the reservation increases, it is not possible to give its benefits to everyone, because there is a limit to government jobs. The system of reservation should not be such that those who are most backward are left behind in getting its benefits. Another reason for the demand for caste-based reservation is the lack of good educational institutions in the country.

India's Pakistan policy, the enemy will be defeated in every way

India will have to decide at the policy level that one of its goals will be to continuously tighten the noose on Pakistan and the other will be to speed up its economic progress. Along with this, India will also have to keep giving a befitting reply to its terrorist activities. Such a strict policy towards Pakistan should not be only of the Modi government but of the whole country. The way the Indian government has banned the import of Pakistani goods from other countries as well as its postal and parcel services and also decided that now its ships will not be able to enter Indian ports, it shows that it is moving on the path of defeating it in every way. Before this, many other steps have been taken along with postponing the Indus Water Treaty which made Pakistan restless. In response to this, Pakistan also took some steps, which included closing its airspace for Indian planes. In response to this, India also closed its airspace for its planes. India is also mobilizing the international community against Pakistan and is constantly warning that it will be given a befitting reply for its actions in Pahalgam. Prime Minister Modi reiterated this warning in the presence of the President of Angola. It is clear that Pakistan is afraid of India's aggressive attitude and this is evident from the news coming from there, but its arrogance is not weakening. It is engaged in shamelessly defending the terrorist organization that attacked Pahalgam. The reason for this is the Jihadi attitude of Pakistani Army Chief Asim Munir. By showing the fear of India's attack, he appointed the head of the intelligence agency of the Pakistani Army as the National Security Advisor and showed that the already weak Pakistan government is now a nominal government. In these circumstances, India needs to give a new shape to its Pakistan policy. It has to be free from the notion that Pakistan will easily come on the right path or will abandon its hatred towards India. India will have to decide at the policy level that one of its goals will be to continuously tighten the noose around Pakistan and the other will be to accelerate its economic progress. Along with this, India will have to keep giving a befitting reply to its terrorist activities. Such a tough policy towards Pakistan should not be only of the Modi government but of the whole country. This means that our political class will have to be unanimous on this policy. Anyway, foreign policy is of the country, not of the government. It is not right that when all political parties should be and appear to be unanimous on a clear tough policy towards Pakistan, then some parties are singing different tunes for narrow political reasons. The latest proof of this is the absurd statement given by Congress MP Charanjit Singh Channi regarding the surgical strike.

नगर निगम के कबाड़ के गोदाम में लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया आग काबू

मुरादाबाद- रविवार सुबह कटघर थाना क्षेत्र स्थित गुलाबबाड़ी इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब नगर निगम के कबाड़ गोदाम में अचानक आग लग गई। आग की लपटों ने पलभर में आसपास रखे कबाड़ को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पर पहुंचे दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। घटना गुलाबबाड़ी स्थित छोटी मंडी के पास बने एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर की है, जहां आसपास के क्षेत्रों का कूड़ा व कबाड़ छांटने के बाद भेजा जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार सुबह 7~30 बजे अचानक गोदाम से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन जब आग पर काबू नहीं पाया जा सका तो तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कटघर यूनिट से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और मात्र 10 मिनट में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। दमकल अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं। दमकल कर्मचारी शिव कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल टीम को रवाना किया गया था। प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट को आग का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि सटीक कारण की जांच की जा रही है। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन आग के चलते कबाड़ को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और दमकल विभाग पूरी सतर्कता के साथ जांच में जुटा है।

महाकालेश्वर धाम मंदिर में चौथी बार चोरी, दान पात्र से चोरों ने उड़ाए लाखों रुपये

मुरादाबाद- पाकबड़ा,- महाकालेश्वर धाम मंदिर में लगातार चोरियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इस बार यह चौथी चोरी की गई है। चौथी बार चोरी करने में दान पात्र के ताले तोड़ लाखों रुपए चोरों ने उड़ा दिए। चोरी की सूचना पर मझोला थाना प्रभारी दलबल के साथ पहुंचे। उसके बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने सारे साक्ष्य जुटाए। सूचना पाकर सीओ सिविल लाइन भी जानकारी करने पहुंचे। नया मुरादाबाद स्थित महाकालेश्वर धाम मंदिर में शनिवार की रात को चोर मंदिर के अंदर घुस गए। चोरों ने हनुमान मंदिर के दान पात्र, शिव परिवार के दान पात्र एवं महादेव के शिवलिंग के पास रखे दान पत्र के ताले तोड़कर उनमें रखे लाखों रुपए चुरा लिए। तिरुपति बालाजी के मंदिर का गेट भी तोड़ दिया गया। तिरुपति बालाजी के पास रखे दान पत्र को भी तोड़ने की कोशिश की गई लेकिन वह नहीं तोड़ सके। इसकी सूचना सुबह को मंदिर के पुजारी को हुई। मंदिर में चोरी की सूचना को लेकर मंदिर के ट्रस्टी महेश अग्रवाल भी पहुंचे। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मझोला थाना प्रभारी दलबल के साथ मंदिर में पहुंचकर सारी जानकारी की। उसके बाद फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने भी सभी साक्ष्य जुटाए। सूचना पाकर सीओ सिविल लाइन कुलदीप कुमार गुप्ता भी मंदिर में जानकारी करने के लिए पहुंच गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो उसमें एक व्यक्ति कच्छा बनियान में मंदिर के अंदर दिखाई दिया है। जिसकी छानबीन करने के लिए पुलिस लग गई है। जिस समय मंदिर के अंदर चोर चोरी कर रहे थे। उसी समय पुलिस की लेपर्ड गाड़ी मंदिर के बाहर गस्त करती हुई नजर आ रही है।

बालिकाओं को शिक्षित बनाओ, होगा देश का विकास- बेबी रानी मौर्य

मुरादाबाद- रविवार को पंचायत भवन सभागार में नन्हीं सी चिड़िया ट्रस्ट द्वारा निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं के लिए फीस वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और जरूरतमंद बालिकाओं को फीस के चेक वितरित किए। इस अवसर पर लगभग 200 बालिकाओं को शैक्षणिक फीस प्रदान की गई, जिससे वे अपनी आगे की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा पहले समाज में बेटियों को पढ़ने नहीं दिया जाता था, लेकिन आज बेटियां पूरे भारत में अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए %नन्हीं सी चिड़िया ट्रस्ट% की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे समाज की आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाएं शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ेंगी और उनका भविष्य उज्जवल होगा। ट्रस्ट की अध्यक्ष अल्पना रितेश गुप्ता ने कहा कि ट्रस्ट का प्रयास है कि कोई भी बालिका केवल आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा, ऊहमारा विश्वास है कि एक शिक्षित बालिका न केवल अपना, बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारती है। ट्रस्ट भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता, भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली चौहान, भाजपा मुरादाबाद महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, प्रसिद्ध समाजसेविका शिखा गुप्ता, डॉ. सचदेवा, राजेश रस्तोगी, सी.ए. दीपक बाबू, योग शिक्षिका रीतू नारंग, गीतांजलि पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

किसानों ने मचाया शोर फिर भी नहीं भागा...बाड़ीवाला के जंगलों में तेंदुए का आतंक

कांठ- काफी समय से बाड़ीवाला के जंगलों में तेंदुए का आतंक फैला हुआ है। एक सप्ताह पूर्व तेंदुए ने एक हिरण के बच्चे को अपना निवाला बना लिया था लेकिन शनिवार को रास्ते में बैठा रहा, जो कि काफी शोर मचाने पर भी नहीं हटा। नगर के बॉडीवाला के जंगलों में तेंदुए ने आतंक मचा रखा है। कई दिनों से किसानों को रास्ते में बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। एक सप्ताह पूर्व इसी इसी जगह पर एक हिरण के बच्चे को अपना निवाला बना लिया था। तभी से बाड़ीवाला के जंगलों में खुला घूम रहा है। शनिवार को स्थानीय किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी तेंदुआ बीच मार्ग पर बैठा दिखाई दिया। किसानों ने तेंदुए को देखकर काफी शोर मचाया लेकिन तेंदुआ बीच से नहीं हटा। किसान इस समय गन्ने को रात और दिन मे पानी दे रहे हैं लेकिन तेंदुए के कारण जंगल जाने से घबरा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।

मुरादाबाद में NEET-UG परीक्षा शुरू, 10 हजार से अधिक परीक्षार्थियों ने लिया हिस्सा

मुरादाबाद- रविवार को नीट यू जी 21 केंद्रों पर शुरू हो चुकी है। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों की जांच के बाद परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। छात्राओं के कानों के कुंडल और टॉप्स भी परीक्षा केंद्र के एंट्रेंस पर ही उतरवा लिए गए। परीक्षा के लिए जिले में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 10,165 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय विद्यालय सबसे बड़ा परीक्षा केंद्र है। यहां 600 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। बाकी बचे 20 सेंटरों पर औसतन 480 अभ्यर्थी प्रति केंद्र पंजीकृत हैं। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में साढ़े 11 बजे से ही प्रवेश मिलने लगा था। गेट पर ही छात्र-छात्राओं की सघन जांच की गई। इसके बाद उन्हें परीक्षा केंद्रों पर एंट्री दी गई। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। इसके अलावा, परीक्षा केंद्रों को 7 सेक्टरों में बांटा गया है, जिनकी निगरानी सेक्टर मजिस्ट्रेट कर रहे हैं। परीक्षा को संपन्न कराने के लिए राजकीय कॉलेजों और सहायता प्राप्त कॉलेजों के 500 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है

रिश्तेदार की शादी में जा रहा परिवार, डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, पत्नी व बेटे की मौत..पति जख्मी

मुरादाबाद- ग्राम आलियाबाद निवासी परिवार रिश्तेदार की शादी में जा रहा था। इस बीच उनकी बाइक को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी और डेढ़ वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। पति और बड़ा बेटा घायल हो गए। डंपर चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रहे बाइक सवार परिवार को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला और डेढ़ साल के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति व तीन वर्षीय बेटा घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है। चालक को पकड़ने के बाद उससे पूछताछ की जा रही है। डिलारी थाना क्षेत्र के ग्राम आलियाबाद निवासी मोहम्मद यूनुस अपनी पत्नी तबस्सुम, डेढ़ वर्षीय बेटे मोहम्मद शाद और तीन वर्षीय बेटे जिकरान के साथ रिश्तेदार की शादी में शिरकत करने के लिए बाइक से रामपुर दोराहा जा रहे थे। बताया जा रहा है कि वह सिरसवा दौराहा के पास पहुंचे ही थे कि तेज गति से आ रहे डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तबस्सुम और मासूम शाद की मौके पर ही मौत हो गई। मोहम्मद यूनुस और उनका बड़ा बेटा जिकरान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया। रामपुर दौराहा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए डंपर को कब्जे में ले लिया और चालक को भी पकड़ लिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

साल में होली एक और जुमा 52...अर्जुन अवार्ड के लिए धरना, CO अनुज चौधरी इन मामलों को लेकर रहे चर्चा में

मुरादाबाद- मुजफ्फरनगर के बढेड़ी गांव में जन्मे अनुज चौधरी ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। गांव के अखाड़े से निकलकर उन्होंने गोरखपुर हॉस्टल तक का सफर तय कर कुश्ती का ककहरा सीखा। वह 10 साल राष्ट्रीय चैंपियन रहे। संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने के बाद 24 नवंबर 2024 को हिंसा के बाद से सुर्खियों में रहे संभल के सीओ अनुज चौधरी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें संभल से चंदौसी सर्किल भेजा गया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के स्तर से जारी आदेश में जिले के कुछ और सीओ भी इधर से उधर किए गए हैं। सीओ अनुज चौधरी होली और ईद की तैयारी बैठक में अपने बयान को लेकर ज्यादा चर्चा में आए थे। उन्होंने साल में होली एक दिन और जुमा 52 बार आने का हवाला देते हुए कहा था कि जिन्हें रंग से परहेज है, वे घर पर ही जुमे की नमाज अदा करें। बाद में ईद पर सेवई को होली की गुझिया से जोड़कर भी बयान दिया था। इससे पूर्व एक धार्मिक शोभायात्रा में वर्दी में गदा लेकर चलने और मंदिर में मूर्तियों की सफाई आदि के भी उनके वीडियो वायरल हुए थे। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने इनके बयान और भूमिका को पुलिस आचरण नियमावली, वर्दी समेत और लोकसेवक से जुड़े नियमों की अनदेखी बताते हुए शिकायत की थी। डीजीपी स्तर पर ऐसी एक शिकायत की जांच के बाद उन्हें क्लीनचिट दी गई थी। क्लीनचिट पर फिर सवाल उठाए जाने पर जांच से जुड़े पक्षों से फिर बयान लिए जा रहे हैं। शनिवार को अचानक एसपी ने सीओ अनुज को संभल से चंदौसी स्थानांतरित कर दिया। इस आदेश में जिले के कुछ और सीओ भी बदले हैं। इस फेरबदल में आईपीएस अफसर आलोक कुमार को सीओ संभल की कमान सौंपी है। चंदौसी के सीओ आलोक सिद्धू को बहजोई का जिम्मा दिया है। खेल कोटे से पुलिस सेवा में आए सीओ अनुज चौधरी कुश्ती में अर्जुन अवार्ड से भी सम्मानित हैं। रामपुर में तैनाती के दौरान सपा नेता आजम खां से उनकी जिरह का वीडियो भी चर्चा में रहा था। अर्जुन अवार्ड के लिए जंतर-मंतर पर दिया था धरना मुजफ्फरनगर के बढेड़ी गांव में जन्मे अनुज चौधरी ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। गांव के अखाड़े से निकलकर उन्होंने गोरखपुर हॉस्टल तक का सफर तय कर कुश्ती का ककहरा सीखा। वह 10 साल राष्ट्रीय चैंपियन रहे। उन्होंने कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और ओलंपिक तक पहुंचे थे। अर्जुन अवार्ड नहीं मिला तो दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गए थे। तत्कालीन खेल मंत्री सुनील दत्त के हस्तक्षेप के बाद अगले साल उन्हें अर्जुन अवार्ड मिला था। कुश्ती लीग के वह ब्रांड एंबेसडर भी रहे। साल 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने रजत पदक जीता था, जिसके बाद सरकार ने सम्मान स्वरूप पुलिस सेवा का अवसर दिया था। चर्चित बयान- सीओ अनुज चौधरी ने छह मार्च को संभल कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक में कहा था कि होली का पर्व साल में एक बार आता है। जबकि जुमे की नमाज साल में 52 बार होती है। जिन मुसलमानों को रंग से परहेज है, वह रंग के दौरान घर से न निकलें। आगे कहा था कि या फिर दिल बड़ा रखें और होली के रंग से परहेज न करें। ईद को लेकर 28 मार्च को शांति समिति की बैठक में उन्होंने कहा था कि यदि ईद की सेवई खिलानी हैं तो गुझिया भी खानी होगी। सीओ ने जांच के दौरान दिए बयान में कहा था कि वह दोनों समुदायों के बीच शांति कायम करने के लिए प्रयास कर रहे थे। उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है जिससे किसी समुदाय की भावना आहत हों।अब किस सीओ को कौन सी जिम्मेदारी एसपी स्तर से किए फेरबदल में संभल के सीओ अनुज चौधरी को सीओ चंदौसी के साथ न्यायालय सुरक्षा, मॉनीटरिंग सेल के अंतर्गत चंदौसी कोर्ट एवं एनएफआईएस के कार्यों का पर्यवेक्षण/(सहायतार्थ नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक) की जिम्मेदारी दी है। सीओ संभल बनाया है। वह लाइन, प्रशिक्षण, थाना साइबर क्राइम एवं आंकिक शाखा के कार्यों का पर्यवेक्षण भी देखेंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दर्द स्वाभाविक, रोकना बड़ी चुनौती पेन मैनेजमेंट से कैंसर जैसे असाध्य दर्द का भी उपचार संभव

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली- दर्द स्वाभाविक है। कभी भी किसी को भी कैसा भी दर्द हो सकता है। यह होना ही है और इसे रोकना आज की सबसे बड़ी चुनौती। अच्छी बात है कि इसे कम किया जा सकता है और यह चिकित्सकों के हाथ में है। यह बात एसआरएमएस और वर्कशाप में विशेषज्ञों ने कही। एसआरएमएस विभाग की ओर से इंडियन सोसायटी आफ पेन सीएमई एवं वर्कशॉप का आयोजन हुआ। इसके पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चोट लगने पर ऑपरेशन पर भी दर्द होता है। सह दर्द ही हैं। और इसकी तकलीफ भी अलग है। ऐसे में दर्द चिकित्सक की नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए है। इसी के लिए पेन अपडेट का आयोजन किया निदान की जानकारी सभी ने साझा की। उम्मीद है राहत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में पेन अपडेट कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी और पेन मैनेजमेंट जैसा असाध्य दर्द भी रिसर्च और प्रोटोकॉल की को ध्यान में रखते हुए पेन अपडेट 2025 का सेक्रेटरी डा.बैभव भंडारी ने सभी का आभार जताया।

पहले सुबह 8.30 बजे आरंभ इस सीएमई में एम्स रायबरेली के डा.विजय अदाबाला ने कैंसर के दर्द के उपचार के लिए डब्ल्यूएचओ की एनालिसिस पर व्याख्यान दिया। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के डा.बैभव भंडारी ने पेन फिजिशियन के लिए फ्लोरोस्कोपी पर रिसर्च की जानकारी दी। एम्स ऋषिकेश के प्रोफेसर (डा.) अजीत कुमार ने कैंसर के असाध्य दर्द को कम करने पर व्याख्यान दिया। एम्स गोरखपुर के डा.रवि शंकर शर्मा, डा.ज्योति पठानिया, डा.एके सिन्हा, डा.निहारिका अरोड़ा, डा.आदित्य पाल महेश्वर ने कैंसर सहित विभिन्न तरह के दर्द पर अपना व्याख्यान दिया। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस मेडिकल कालेज की आफिशिएटिंग प्रिंसिपल डा.बिंदु गर्ग, ऑर्गनाइजिंग को चेयरपर्सन डा.जूही सरन और डा.केसी शर्मा, साइंटिफिक चेयरर्सन डा.धीरज सक्सेना और डा.विश्वजीत सिंह, ज्वाइंट ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.एसके लोहानी, वर्कशॉप कोऑर्डिनेटर डा.अशिता मोवार, डा.अखिलेश पहाड़े, रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज, राजश्री मेडिकल कॉलेज, टीएमयू और वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के पेन फिजिशियन सहित विभिन्न विभागों के एचओडी, फैकल्टी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

यूपी में छह आईएएस अफसरों के तबादले, विशेष सचिव गृह विभाग बने आईएएस ए दिनेश कुमार

यूपी में छह आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। ए दिनेश कुमार को गृह विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। वहीं, कृति राज को उन्नाव जिले का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

यूपी में रविवार को छह आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस ए दिनेश कुमार को विशेष सचिव, गृह विभाग बनाया गया है। इसी तरह अविनाश कृष्ण सिंह को वर्तमान पद के साथ सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग का भी प्रभार दिया गया है। आईएएस बृजराज सिंह यादव को राजस्व परिषद लखनऊ में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस विनोद कुमार को विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग बनाया गया है।आईएएस प्रेम प्रकाश मीणा को अलीगढ़ का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। आईएएस कृति राज को उन्नाव जिले का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

जुलाई से बंद होगा कूड़ा डंपिंग

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। बाकरगंज में कूड़े के पहाड़ को समाप्त करने के लिए करीब 50 साल से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन कई करोड़ रुपये

खर्च करने के बावजूद पहाड़ बढ़ता ही गया। अब सथरापुर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट शुरू होने के साथ ही कूड़े का पहाड़ भी समाप्त होने की उम्मीद जगी है। नगर निगम के अफसरों का दावा है कि जुलाई से बाकरगंज में शहर का कूड़ा नहीं गिराया जाएगा। यहां पर नया प्रोजेक्ट लगाने की योजना बनाई जाएगी। बाकरगंज में करीब 40 हजार की आबादी कई साल से कूड़े पहाड़ की समस्या से जूझ रही है और गंदगी से परेशान है। स्मार्ट सिटी के तहत शहर के विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। कई बार शिकायत नगर निगम के अफसरों से की गई लेकिन समस्या का निदान नहीं हो सका है। इस वजह प्लांट से जितना कूड़ा खत्म होता है, उससे दोगुना बढ़ जाता है। अब लोगों को आस जगी है कि नया प्लांट चालू होने से यहां कूड़ा आना बंद हो जाएगा तो समस्या का निदान हो सकता है।

शामली बालाजी धाम पर आज हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली आज बालाजी धाम करनाल रोड पर हनुमान चालीसा

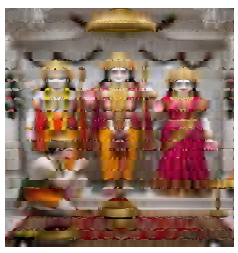

पाठ का आयोजन किया गया बालाजी धाम के शोभित गर्ग का यह कहना है कि बाबा बालाजी धाम के दरबार पर मासिक कीर्तन का आयोजन हर माह की आखिरी के इतवार को किया जाता है आज बाबा के दरबार में हनुमान चालीसा का पाठ बालाजी धाम के पंडित जी द्वारा किया गया जिसमें भक्त जनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और 7:00 बजे बाबा बालाजी महाराज की मां आरती कि श्री बाबा बालाजी महाराज के दरबार में आए श्रद्धालुओं के लिए मंदिर कमेटी द्वारा प्रसाद वितरण किया

राकेश टिकैत प्रकरण- यूपी और हरियाणा की खापों ने पहनाई पगड़ी, एक मंच पर दिखे सपा और रालोद के दिग्गज

जनआक्रोश यात्रा में शुक्रवार को भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत की पगड़ी गिर गई थी। इसके विरोध में भाकियू ने

बड़ी पंचायत का आयोजन किया। इसमें भाजपा की घेराबंदी की गई। पहलगाम पर बयानबाजी से शुरू हुआ मुद्दा अपमान और पंचायत तक पहुंचा। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के सम्मान के लिए पश्चिम यूपी और हरियाणा की खाप पंचायतें अपनी-अपनी पगड़ी लेकर पहुंच गईं। किसान-मजदूर जुटे तो नेताओं ने भी सियासी नब्ज पकड़ने की कोशिश की। सपा के दिग्गजों ने भाजपा की घेराबंदी की। रालोद के विधायक ने किसानों के समर्थन में हुंकार भरी। करीब दो साल बाद सपा और रालोद नेता मंच साझा करते हुए भी नजर आए। किसान मुद्दों पर भाकियू सरकार के खिलाफ मुखर रही है। जन आक्रोश यात्रा में भाकियू प्रवक्ता के अपमान के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर समर्थन में पोस्ट की। शनिवार को पंचायत में सांसद हरेंद्र मलिक, सांसद इकरा हसन, राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, सरधना विधायक अतुल प्रधान, पहलवान शोकेंद्र तोमर, जिलाध्यक्ष जिया चौधरी समेत पश्चिम यूपी के अन्य नेता और कार्यकर्ता भी समर्थन देने के लिए पहुंच गए।पंचायत में भीड़ जुटी तो मंच से सपा नेताओं ने सरकार पर निशाने साधे और पुलिस-प्रशासन को भी खरी-खोटी सुनाई। कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। भाजपा सरकार की घेराबंदी की गई। यहां तक की पैदल मार्च में भी अतुल प्रधान भाकियू अध्यक्ष के साथ टाउनहॉल तक पहुंचे।भाकियू प्रवक्ता के प्रकरण में दिलचस्प बात यह रही कि गठबंधन, राजनीतिक दल और अन्य मतभेद भुलाकर सपा और रालोद नेता फिर एक मंच पर नजर आए।रालोद विधानमंडल दल के नेता राजपाल बालियान, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, पूर्व प्रमुख विनोद मलिक ने किसान-मजदूर सम्मान पंचायत का मंच साझा किया। झबरेड़ा से कांग्रेस के विधायक वीरेंद्र कुमार भी पहुंचे। सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान के साथ विभिन्न खापों के चौधरी पहुंचे और टिकैत को अपनी-अपनी खाप की पगड़ी पहनाई। इनमें राठी खाप से कृष्ण देव राठी, अहलावत खाप से गजेंद्र सिंह अहलावत, दांगी खाप से ओमपाल सिंह समेत अन्य खाप चौधरी पहुंचे।लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सपा के साथ गठबंधन से अलग होने के बाद रालोद नेताओं का यह पहला बड़ा मौका था, जब मंच साझा किया गया। टिकैत के अपमान के मुद्दे पर गठबंधन से अलग जनप्रतिनिधि मंच साझा करते नजर आए। जन आक्रोश यात्रा में पहुंचे थे अग्रवाल, साध ली चुप्पी कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल भी शुक्रवार को जन आक्रोश यात्रा में शामिल हुए थे, लेकिन इस पूरे प्रकरण के बाद राज्यमंत्री ने चुप्पी साध ली। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि उनके टाउनहॉल से लौट जाने के बाद यह मामला हुआ है।किसान और सामाजिक संगठनों के समर्थन की ताकत किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत के अपमान प्रकरण में जिलेभर के अन्य किसान संगठनों ने भी पंचायत में पहुंचकर समर्थन दिया। भाकियू सेना, भाकियू संघर्ष मोर्चा, भाकियू उत्थान, भाकियू अजगर भी समर्थन देने पहुंचे। किसान संगठनों के समर्थन की ताकत से भाकियू ने खूब हुंकार भरी

इलेक्ट्रीशियन और प्लंबर ने रची थी संयुक्त विकास आयुक्त के घर लूट की साजिश, आठ गिरफ्तार, ऐसे हुआ खुलासा

तक्षशिला कॉलोनी में संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार का परिवार रहता है। 15 अप्रैल को बदमाशों ने उनकी पत्नी को बंधक बनाकर लूट की कोशिश की थी। बदमाशों के तीन साथी फरार हैं। तक्षशिला कॉलोनी स्थित संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार के घर में लूट की कोशिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस घर में काम करने वाले इलेक्ट्रिशियन ललित जाटव उर्फ बिट्टू और प्लंबर कपिल जाटव समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में गुरुग्राम का सुरक्षाकर्मी संग्राम सिंह भी शामिल है। इनके तीन साथियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, तीन बाइक और एक बैग बरामद किया है।एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि तक्षशिला कॉलोनी में बस्ती में तैनात संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार का परिवार रहता है। 15 अप्रैल को बदमाशों ने उनकी पत्नी पुष्पा को घर में बंधक बनाकर हमला करके लूटपाट की कोशिश की थी। दंपती का बेटा सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता निशित उर्फ नीशू भी घर में मौजूद था। उन्होंने अपना कमरा बंद करके यूपी 112 को सूचना दी थी। पुलिस के पहुंचने से पहले बदमाश भाग गए थे। इस मामले में दो बदमाश घर के अंदर घुसे थे। कुछ बदमाश घर के बाहर और कुछ रास्ते में खड़े थे। सभी वारदात की साजिश में शामिल थे।इन आरोपियों को किया गिरफ्तार स्वॉट टीम और मेडिकल पुलिस ने मनीष ठाकुर निवासी ग्राम दाऊदपुर चोला बुलंदशहर, विक्की उर्फ विकास भाटी निवासी ग्राम चांगोली ककोड़ बुलंदशहर, हर्ष सोलंकी निवासी ग्राम नगलाबंसी चोला बुलंदशहर, ललित जाटव उर्फ बिट्टू निवासी ग्राम जाहिदपुर लोहियानगर (इलेक्ट्रीशियन), कपिल जाटव निवासी ग्राम जाहिदपुर लोहियानगर (प्लंबर), संग्राम सिंह निवासी ग्राम कासन मानेसर गुरुग्राम (सुरक्षाकर्मी) अमर सिंह उर्फ चच्चा निवासी मोहल्ला चौथैया पट्टी कस्बा जेवर गौतमबुद्धनगर, गौरव कुमार निवासी सालियान नई बस्ती जेवर को गिरफ्तार किया गया है। जबकि कल्लू उर्फ कुलदीप निवासी कस्बा जेवर, रवि जाटव निवासी ग्राम गडीना फलावदा मेरठ, हाल पता मानेसर गुरुग्राम (जीजा ललित उर्फ बिट्टू), कुणाल उर्फ कुलदीप निवासी ग्राम गवां खुर्जा देहात बुलंदशहर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। ढाई माह पहले मॉल के बाहर रची साजिश-एसपी क्राइम अवनीश कुमार ने बताया कि पांच साल से इलेक्ट्रीशियन ललित उर्फ बिट्टू व प्लंबर कपिल जाटव ने अपने रिश्तेदार रवि जाटव व उसके मित्र संग्राम सिंह को बताया कि संयुक्त विकास आयुक्त के घर में काफी पैसा मिल सकता है। संग्राम सिंह ने अपने रिश्तेदार कालू उर्फ कुलदीप से संपर्क किया गया, जिसके द्वारा घटना कारित करने के लिए अपराधियों की जानकारी करने के लिए अमर सिंह उर्फ चच्चा व गौरव कुमार को लगाया गया। अमर सिंह उर्फ चच्चा ने कुछ महीने पहले जेल से छूटे मनीष ठाकुर से संपर्क किया। मनीष ठाकुर ने घटना करने के लिए हां कर दी। ढाई माह पहले सभी आरोपी पीवीएस मॉल के बाहर एकत्रित हुए और वारदात की साजिश रची। मनीष ठाकुर ने अपने दोस्त कुणाल उर्फ कुलदीप, हर्ष सोलंकी व रिश्तेदार विक्की उर्फ विकास के साथ एक टीम बना ली। घर की पूरी जानकारी होने के कारण ललित उर्फ बिट्टू को भी इस टीम में शामिल किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा-2025 को कुशलता पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न परीक्षा केन्द्रो का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली- जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा-2025 को सकुशल और शुचितापूर्ण

तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से विभिन्न परीक्षा केन्द्रो का निरिक्षण किया। जनपद बरेली में 23 परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा आयोजित की गयी । जिलाधिकारी ने परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों यथा मौलाना आजाद इंटर कॉलेज, सी. बी. गंज इंटर कॉलेज तथा राजकीय इंटर कॉलेज जाकर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। निरिक्षण के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संचालित होती पायी गयी। परीक्षा केन्द्रो पर बनाये गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम आदि के माध्यम से परीक्षा कक्षों का भी जायजा लिया गया, समस्त कैमरे संचालित अवस्था में पाए गए। निरिक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि परीक्षा हेतु निर्धारित नियमों का उचित प्रकार से अनुपालन किया जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इस दृष्टि से भी व्यवस्थाओ को परखा कि परीक्षा केंद्र तक आने - जाने में में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं है साथ ही उर्स के दृष्टिगत ट्रैफिक व्यवस्थाएं किस प्रकार की है।

धूमधाम से मनाई जाएगी बुधजयन्ती , मौर्य विकास सँस्था रजि0 मासिक बैठक ,मौर्य छात्राबास मढ़ी नाथ बरेली में हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली- = सर्व सम्मति से तय हुआ कि मौर्य विकास सँस्था इस बार भव्य और बढे स्तर पर जिले भर में जयंती के आयोजन करके ,शांति और समरसता का सन्देश देगी बरेली में जिला स्तरीय भव्य

विशाल कार्यक्रम 12 मई को होगा , आँवला में 18 को और बहेड़ी में 19 को और मीरगंज में 20 को कार्यक्रम रहेगा ,आयोजक मौर्य विकास सँस्था रहेगी ,सँस्था के अध्यक्ष राममूर्ति मौर्य ने बताया कि सँस्था प्रत्येक जगह भोजन और खीर वितरण करके ,सामाजिक समरसता को कायम करेगी ,पूर्व अध्यक्ष शिशुपाल मौर्य ,उपाध्यक्ष ज्ञानेश शाक्य ,महामन्त्री राजेश मौर्य ,जिला मंत्री चंद्रपाल मौर्य ,व्यवस्थापक स्वराज शाक्य ,बरेली सदर अध्यक्ष जग्गनाथ मौर्य ,महानगर मंत्री विवेक शाक्य ,आकाश मौर्य ,प्रदीप मौर्य ,आदि उपस्थित रहे ।1

नीट की परीक्षा देने जा रहा प्रधानपुत्र सड़क दुघर्टना में घायल,परीक्षा छूटी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव कुंवरपुर बंजरिया की प्रधान गुलशन जहां का बेटा मजहर अली अंसारी रविवार को केंद्रीय विद्यालय टू कैंट में नीट की परीक्षा देने अपनी वाइक से जा रहा था। रूहेलखंड विश्वविद्यालय के सामने अन्य वाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना

तेज आंधी - पानी से जीवन अस्त-व्यस्त

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। रविवार को दोपहर बाद अचानक आई तेज आंधी -पानी से आम जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। गांव मुंडिया अहमदनगर,चावड़ में ओलावृष्टि भी हुई। जिससे मौसम में नमी आ गई। ख़बर लिखे जाने तक तेज बारिश हो रही थी।

सज-धज के शादी में जाने को निकले पति-पत्नी और बेटी, रास्ते में हुआ मौत से सामना; अकेला रह गया राममूर्ति

मृतक चांदनी का मायका बीसलपुर क्षेत्र में ही है। दो साल पूर्व ही उसकी शादी राममूर्ति के साथ हुई थी। शादी के बाद पुत्री सौम्या का जन्म हुआ। तीनों लोग खुशी-खुशी शादी में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे।यूपी के का नाम नहीं ले रहे। रविवार चौराहे पर ट्रक की चपेट में माह की बेटी की मौत हो गई। हो गया। पुलिस ने घायल को मां-बेटी का शव पोस्टमॉर्टम परिजनों में कोहराम मचा तीनों- बीसलपुर कोतवाली के पत्नी चांदनी वर्मा (24) और न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव शामिल होने के लिए बाइक से से शहर के असम चौराहे के में आ गई। हादसे में चांदनी मौत हो गई। वहीं पति राममूर्ति मौके पर भीड़ जमा हो गई। एंबुलेंस की मदद से घायल मौत से मचा कोहराम- पुलिस मृतक के अन्य रिश्तेदार भी की जानकारी लगते ही जानकारी मिलते ही सुनगढ़ी

कोतवाल राजीव कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों का शव पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल को मार्चरी भिजवाया। इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडेय ने बताया कि घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो साल पहले हुई थी चांदनी की शादी- मृतक चांदनी का मायका बीसलपुर क्षेत्र में ही है। दो साल पूर्व ही उसकी शादी राममूर्ति के साथ हुई थी। शादी के बाद पुत्री सौम्या का जन्म हुआ। तीनों लोग खुशी-खुशी शादी में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे। इस दौरान ट्रक काल बनकर आ गया। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई। सूचना पर परिजनों की जिला अस्पताल में भीड़ उमड़ पड़ी। निर्माणाधीन ओवरब्रिज का निर्माण धीमा, चौराहे पर डग्गामार वाहनों का कब्जा- असम चौराह पर बन रहे ओवर ब्रिज का निर्माण दो साल बीतने के बाद भी अधूरा है। चौराहा क्षेत्र में कार्य की गति बेहद धीमी है। कार्यदायी संस्था की ओर से कार्य तेजी से साथ पूरा करने के दावे किए जा रहे हैं। कार्य के चलते असम चौराहों पर अव्यवस्थाएं हावी रहती हैं। वहीं असम चौराहे पर बीसलपुर, पूरनपुर मार्ग पर चलने वाले डग्गामार वाहनों का कब्जा रहता है। बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े रहते हैं। इससे हर समय हादसों का खतरा बना रहता है।

संभल के 33 निजी स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना, निजी प्रकाशकों की किताबें बेचने पर हुई कार्रवाई

संभल में छात्रों पर खास दुकानों से किताबें खरीदने का दबाव बनाने पर 33 निजी स्कूलों पर जुर्माना लगाया गया। प्रशासन ने प्रत्येक स्कूल पर एक-एक लाख रुपये का दंड लगाते हुए एक सप्ताह में जमा करने का निर्देश दिया है।निजी और छात्रों को विशेष दुकानों करने के मामले में जिला है। संभल जिले के 33 निजी रुपये का जुर्माना लगाया गया स्ववित्तपोषित स्वतंत्र अधिनियम के उल्लंघन के तहत पेंसिया ने रविवार को बताया आईसीएसई से संबद्ध स्कूलों की जांच कराई गई थी। जांच निजी प्रकाशकों की किताबें छात्रों को केवल विशेष खरीदने के लिए मजबूर कर उल्लंघन है। प्रशासन ने सभी वह एक सप्ताह के भीतर जुर्माने प्रमाण जिला विद्यालय अधिकारी ने यह भी कहा कि किया गया तो आगे की कड़ी समय से जांच कर रहा था

मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने 34 स्कूलों का निरीक्षण कर कई गड़बड़ी पकड़ी थी। निरीक्षण करने वाली टीमें अपनी अपनी रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को सौंपी। इन रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई। जांच में एनसीईआरटी किताबों की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ाई जाती मिली थीं। इसके अलावा फीस वसूली को लेकर भी छानबीन शुरू की गई। 16 अप्रैल को जिलेभर के निजी स्कूलों में निरीक्षण किया गया था। यह निरीक्षण डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया के आदेश पर किए गए थे। इसके लिए 34 टीमें निरीक्षण के लिए अलग-अलग पहुंची थीं। इन टीमों को कई गड़बड़ी मिली थीं। डीआईओएस श्यामा कुमार ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार की गई। वह रिपोर्ट डीएम को भेजी गई।

प्रकाशकों की किताबें बेचने से खरीदने के लिए मजबूर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की स्कूलों पर एक-एक लाख है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश विद्यालय (शुल्क विनियमन) की गई है।जिलाधिकारी राजेंद्र कि सीबीएसई और में इस्तेमाल हो रही किताबों में सामने आया कि 33 स्कूल चला रहे थे। इसके अलावा विक्रेताओं से ही किताबें रहे थे।यह नियमों का स्पष्ट स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि की राशि जमा कर उसका निरीक्षक को सौंपें। जिला यदि निर्देशों का पालन नहीं कार्रवाई की जाएगी।लंबे प्रशासन- निजी स्कूलों की

एक साथ जली तीन बच्चों की चिताएं: रातभर बरात में बैंड में किया काम, सुबह सामान समेटते हुए सभी सो गए मौत की नींद

एक ही गांव में तीन किशोरों की मौत से पूरा गांव स्तब्ध रह गया। पूरे गांव में रविवार को खामोशी छाई रह। लोग बच्चों की पुरानी यादें करके उनके परिजनों को ढांढ़स दे रहे थे।यूपी के बरेली स्थित शाही में बरात चढ़ाकर बैंड की ठेली ले जा रहे तीन किशोरों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई व दो अन्य गंभीर घायल हुए हैं।दुकान पर सामान ले जा रहे थे सभी शाही थाना क्षेत्र के बकैनियां वीरपुर के रहने वाले बैंड मलिक हरिओम वर्मा का शिवा बैंड नाम से धनेटा शीशगढ़ रोड पर आनंदपुर गांव के बस अड्डे पर दुकान है। शनिवार की रात फिदाईपुर गांव से बरात चढ़ाकर बैंड की ठेली और जनरेटर को वापस आनंदपुर में दुकान पर करीब आठ-दस किशोर अन्य लोगों के साथ ले जा रहे थे।कार ने मारी थी जोरदार टक्कर रात्रि करीब डेढ़ बजे धनेटा शीशगढ़ रोड पर आनंदपुर गांव के नजदीक ही पीछे से मिर्जापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने पीछे से बैंड की ठेली में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ठेली व जनरेटर को ले जा रहे किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें बकैनिया वीरपुर के रहने वाले बैंड मलिक हरिओम वर्मा के भतीजे 16 वर्षीय रोहित कुमार पुत्र महेंद्र पाल की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर घायल सचिन, मोहित, संजीव और दशरथ को मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।एक ने रास्ते तो दूसरे ने अस्पताल में तोड़ा दम अस्पताल ले जाते समय घायल गांव के ही 10 वर्षीय मोहित पुत्र कल्याण की भी मौत हो गई वह कक्षा चार का छात्र था। वहीं बारह वर्षीय सचिन पुत्र गंगाराम की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य दो गंभीर लोगों का इलाज चल रहा है। रोहित था कक्षा सात का छात्र रोहित अपने दो भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। वह कक्षा सात का छात्र था। शनिवार को स्कूल से आने के बाद शाम को वह अपने ताऊ बैंड मालिक हरिओम वर्मा के साथ बरात में चला गया। सचिन दो भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। मोहित दो भाई वह एक बहन में दूसरे नंबर का था।पूरे में गांव में खामोशी एक ही गांव में तीन किशोरों की मौत से पूरा गांव स्तब्ध रह गया। पूरे गांव में रविवार को खामोशी छाई रही। लोग बच्चों की पुरानी यादें करके उनके परिजनों को ढांढ़स दे रहे थे। रविवार शाम को तीनों शवों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। गाड़ी पकड़ी पर ड्राइवर भाग निकला उधर, बैंड की ठेली में टक्कर मारकर भाग रहे इको कार को पुलिस ने घेराबंदी करके दुनका में बिहारीपुर मोड पर पकड़ लिया। लेकिन ड्राइवर भागने में सफल रहा। पुलिस ने बताया गाड़ी शीशगढ़ थाना क्षेत्र की है। जल्दी ही ड्राइवर को गिरफ्तार किया जाएगा। थाना अध्यक्ष अमित कुमार बालियान ने बताया मृतक के पिता महेंद्र पाल के द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन हन चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी जमीन पर बने मदरसे पर चला बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंडा में बंजर की भूमि गाटा सं0 413 पर बना मदरसा पर उपजिलाधिकारी जमुनहा , संजय राय तहसीलदार जमुनहा विपुल सिंह थाना मल्हीपुर के

प्रभारी आशीष कुमार , पुलिस मौके पर पहुंचकर और बुलडोजर चलवा कर मदरसे को जमीन दोज कर दिया जो कि मदरसा अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बना हुआ था मदरसा को गिराकर जमीन को खाली कराया गया

19 लीटर अवध शराब के साथ दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच - अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। पुलिस द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण रोकथाम के सम्बन्ध में थाना मल्हीपुर पुलिस द्वारा. सुरेश पत्र दया राम निवासी लक्ष्मणपुर कोठी थाना मल्हीपर जनपद श्रावस्ती के कब्जे से 09 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया, शराब बरामद होने के अपराध में के विरुद्ध थाना मल्हीपुर धारा 60 आबकारी अधिनियम मे पंजीकृत किया गया। थाना हरदत्तनगर गिरंट पलिस द्वारा महेश पुत्र राम मिलन निवासी औसान कंडी थाना हरदत्तनगर गिरंट जनपद श्रावस्ती के कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद होने के अपराध में थाना हरदत्तनगर गिरंट पर धारा 60 आबकारी अधिनियम मे अभियोग पंजीकृत किया गया।

सड़क पार कर रही बालिका को वाहन की ठोकर से दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - हरदत्तनगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के बंजारन पुरवा गांव में शाम को दुकान से लौट रही 13 वर्षीय किशोरी की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। गांव निवासी रिजवान की पुत्री ताजरून देर शाम को सड़क पार कर घर लौट रही इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल तुलसीपुर स्थित एक निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही ताजरून ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी हैं। मासूम की असमय मौत से गांव में मैं शोक की लहर दौड़ गई ।

जमुनहा बाजार में हाईमास्ट लाइट पांच माह से खराब

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जमुनहा बाजार स्थित होलिका दहन स्थल पर सांसद निधि से लगी हाईमास्ट लाइट बीते पांच माह से खराब पड़ी है। खराबी के चलते यह लाइट शोपीस बनकर रह गई है, जिससे क्षेत्रवासी अंधेरे में आने-जाने को मजबूर हैं। शिकायतों के बावजूद विभागीय लापरवाही के चलते अब तक मरम्मत नहीं हो सकी है। वहीं स्थानीय निवासी बताते हैं कि जमुनहा बाजार की इस हाईमास्ट लाइट से प्राथमिक विद्यालय जमुनहा प्रथम, पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय जमुनहा द्वितीय, ब्लॉक संसाधन केंद्र समेत बाजार के कुछ हिस्सों तक रोशनी रहती थी। लेकिन लाइट खराब होने से चारों ओर रात में अंधेरा छाया रहता है, जिससे विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है। इस संबंध में जमुनहा भवनियापुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि असरार आलम ने बताया कि यह हाईमास्ट लाइट सांसद निधि से लगाई गई थी। सांसद राम शिरोमणि वर्मा और विधायक इंद्राणी वर्मा को भी इस समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई मिस्त्री नहीं आया। उन्होंने कहा कि यदि विभाग मरम्मत नहीं कराता है तो इसे ग्राम पंचायत स्तर से ठीक कराया जाएगा। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द लाइट की मरम्मत कराई जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके।

एस सी एस टी टीचर वलफेयर एसोसिएशन जनपद इकाई

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती की एक शैक्षिक संगोष्ठी जिलाध्यक्ष आशुतोष आज़ाद के नेतृत्व में बी आर सी जमुनहा मे आयोजित की गयी, जिसमे विभागीय कार्यों पर चर्चा की गई द्य विभिन्न विभागीय समस्यायों पर आपस में उपस्थित वक्ताओं ने प्रकाश डालते हुए उससे निपटने की रणनीति पर बात करते हुए संगठन की मजबूती पर चर्चा की गयी द्य साथ ही बलरामपुर के संगठन मंत्री दिनेश कुमार के निर्देशन में जमुनहा ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमे सर्वसम्मति से अरविन्द कुमार गौतम को ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया, नन्द कुमार सोनकर को महामंत्री और रमेश चंद्र को कोषाध्यक्ष चुना गया द्य दयाशंकर को ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुण कुमार बौद्ध, बृजेश कुमार, सुशील कुमार सोनकर, सविता सोनकर को ब्लॉक उपाध्यक्ष, धर्मपाल, दिलीप भार्गव, प्रमोद कुमार, अजेश कुमार को ब्लॉक सचिव, बाबूराम भारती और प्रदीप कुमार को ब्लॉक संयुक्त मंत्री, राधेलाल को ब्लॉक संगठन मंत्री, जयभारती को ब्लॉक मीडिया प्रभारी, उत्तम कुमार को ब्लॉक प्रवक्ता चुना गया द्य महेश चंद्र मेहर, अमित कुमार, बालिकरण, संजय कुमार, मनीष कुमार को ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्य के लिए चुना गया द्य सुरेश प्रसाद और जगदम्बा प्रसाद आर्य को ब्लॉक संरक्षक चुना गया द्य इस अवसर पर ईश्वरचंद्र, इन्द्रमनी, संत लाल एवं जिला कार्यकारिणी के राकेश गौतम, ब्रिन्दावन, शिव कुमार सोनकर,संदीप कुमार, प्रहलाद नारायण, अमित कुमार, बहराइच से नितिन कुमार, अमरजीत गौतम, उमाशंकर भास्कर, आदि पदाधिकारी मौजूद रहे द्य संगोष्ठी का संचालन हाक़िम सिंह ने किया द्य

सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल के ऑडिटोरियम में लाइफस्टाइल स्वास्थ्य सेमिनार काआयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली आज हर्बल लाइफ वेलनेस इंडिया की ओर से सेंट आर . सी. कान्वेंट स्कूल शामली के ऑडोटोरियम में लाइफ स्टाइल स्वास्थ्य सेमिनार का आयोजन किया गया, आगरा से पधारे स्वास्थ्य विशेषज्ञ वेलनेस कोच अमित संबंधी टिप्स सेमिनार में भाग सेमिनार का शुभारंभ पालिका जस्ट स्पीकर अमित गुप्ता एवं सरस्वती के चित्र के समक्ष गया । उपस्थित जनसामों को अध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा जीवन है चाणक्य ने भी इस जाए तो कुछ नहीं लेकिन , आयुर्वेदाचार्य ने भी कहा है आज आगरा से पधारे हमारे अमित गुप्ता ने हमारे शामली संबंधी जो टिप्स दी है वाकई पर जो भी व्यक्ति चलेगा अगर वजन नहीं बढ़ा तो बना रहेगा शुगर और ब्लड जाता है इस तकनीक से शुगर किया जा सकता है । सेमिनार अमित गुप्ता ने अपनी सफलता लाइफस्टाइल को कैसे गुप्ता ने सेमिनार में स्वास्थ्य लेने वाले प्रशिक्षकों को दी, अध्यक्ष अरविंद संगल एवं मोनिका गुप्ता द्वारा मां दीप प्रवजलित करके किया संबोधित करते हुए पालिका कि स्वस्थ जीवन सर्वोत्तम विषय में कहा था धन चला स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा की कर्ज ले पर स्वस्थ रहे , सीनियर वेलनेस कोच श्री की नागरिकों को स्वास्थ्य यह बहुत उपयोगी है टिप्स उसका वजन नहीं बढ़ेगा और निश्चित ही वह व्यक्ति स्वस्थ प्रेशर आज बहुत मात्रा में देखा और ब्लडप्रेशर को कंट्रोल को सेमिनार में सीनियर कोच की स्टोरी शेर की एवं बदलकर हम स्वस्थ रह सकते हैं, इससे अवगत कराया कार्यक्रम के संयोजक हितेश मलिक वह निशा मालिक रहे कार्यक्रम का संचालन करते हुए इन्होंने बताया की हर्बल लाइफ वर्तमान में देश के अनेकों विशिष्ट जनों को लाभ पहुंच चुकी है। कार्यक्रम में री, हितेश मलिक निशा मालिक अमित गुप्ता मोनिका गुप्ता पिंटू सैनी अंकुर जैन अनूप सिंह, राजकुमार मीरा, राजीव , आकाश कुमार , विशेष , विक्की जैन , जमीर अहमद , सुनील सैनी भावना सैनी प्रमोद कोरि , मोहित , रामकुमार , रफीक, अभिषेक अमित उपाध्याय मनीष भटनागर जॉनी कुमार निशा शर्मा सुरक्षा नाम आदि पार्टिसिपेट मौजूद रहे ।

अलीगढ़ में ट्रेनी विमान क्रैश, एयरपोर्ट की दीवार से जा टकरायाअलीगढ़ में ट्रेनी विमान क्रैश, एयरपोर्ट की दीवार से जा टकराया

यूपी के अलीगढ़ में रविवार को एक ट्रेनी प्लेन क्रैश हो गया है। घटना में प्लेन उड़ा रहा पायलट बाल-बाल बचा है। यूपी के अलीगढ़ में धनीपुर हवाई पट्टी पर रविवार को एक ट्रेनी प्लेन क्रैश हो गया है। घटना में प्लेन उड़ा रहा पायलट बाल-बाल बचा है। बताया जा रहा है कि यह प्लेन एयरपोर्ट की दीवार से जा टकराया। हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रैनी पायलट ट्रेनिंग ले रहा था। इस हादसे के जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्लेन क्रैश होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने हादसे का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि धनीपुर हवाई पट्टी पर पायनियर फ्लाइंग क्लब प्रशिक्षण देता है। विमान के अंदर बैठे पायलट की पहचान परव जैन के दौर पर हुई है। वह सोलो प्रशिक्षण ले रहा था, उनका विमान उतरते समय एयरपोर्ट की दीवार से टकरा गया। नागरिक उद्यान विभाग के एसएस अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षु सोलो पायलट परव जैन सुरक्षित है। अग्रवाल ने बताया कि विमान में किसी प्रकार की कोई आग नहीं लगी है। केवल विमान क्षतिग्रस्त हुआ है

संक्षिप्त समाचार

युवती से दुराचार करने की धमकी एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छीतेमऊ पुरवा निवासनीय एक युवती खेत में बकरी चरा रही थी। आरोप है कि गांव का एक युवक आकर गंदी गंदी बातें करने लगा।युवती का आरोप है कि जब उसने विरोध किया तो कहा कि तुम्हारे साथ दुराचार करुंगा।मना करने पर हाथ पकड़ कर घसीटने लगा।तथा मारा पीटा जाति सूचक गालियां दी।शोर मचाने पर ग्रामीणों के आ जाने पर युवक भाग गया।युवती रोते हुए आप बीती घर आकर बतायी। परिजनों युवती को लेकर मऊआइमा थाने आए। युवती की तहरीर पर पुलिस ने गांव के सबलू पटेल पुत्र ओमप्रकाश पटेल के खिलाफ एससी एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डाक्टर बैठाने को लेकर सांसद प्रवीण पटेल को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) सोरांव के लकड़मंडी में में कार्यक्रम के दौरान मऊआइमा के दर्जनभर से अधिक ग्रामीण एकत्रित होकर फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल मिले और ग्रामीणों ने बंद पडे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मऊआइमा पर डाक्टरों को बैठा कर अस्पताल शुरू करने को लेकर सांसद प्रवीण पटेल को ज्ञापन दिए । बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाईवे मार्ग से दूर होने के कारण जहां तंग गलियों और रेलवे फाटक बंद की स्थित में घंटों का समय लग जाता है। जिससे गर्भवती महिलाओं समेत अन्य मरीजों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सांसद प्रवीण पटेल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मऊआइमा को जल्द से जल्द शुरू करवाने का आश्वाशन दिए। इस मौके पर दिनेश पटेल फौजी,आशीष शर्मा, अशोक विश्वकर्मा उर्फ गुड्डु, राकेश पटेल, बनवारी लाल पटेल, सुनील पटेल,अंकेश पटेल, संजय पटेल आदि लोग मौजूद थे।

अनियंत्रित बाइक पलटने से दम्पत्ति जखमी

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) सूरज कुमार 35 वर्ष पुत्र श्याम लाल तथा उनकी पत्नी सीमा देवी 30 वर्ष निवासी ग्राम झाऊ का पूरा होलागढ़ निवासी बाइक से निमंत्रण करके देर रात घर जा रहे थे।बताते हैं कि जैसे दम्पत्ति मऊआइमा के सकरामऊ फोरलेन पर पहुंचे बाइक अनियंत्रित होकर पलट गयी।शोर मचाने पर ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों को मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करा दिया है। जहां दोनों को गंभीर चोटें आयी। बताते हैं कि प्राथमिक उपचार के बाद दम्पत्ति को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-04.05.2025 को मा0 न्यायालय जे0एम0 तृतीय इलाहाबाद द्वारा निर्गत वारण्ट NBW एस0टी0 नं0 729/05 धारा 394/411 भा0द0वि0 थाना घूरपुर प्रयागराज से संबंधित वारण्टी अभियुक्त अरूण पुत्र रामप्यारे उर्फ प्यारेलाल निवासी पुराना नैनी पुल फूलमण्डी थाना नैनी प्रयागराज को पुराना पुल फूलमण्डी थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्त का विवरण- अरूण पुत्र रामप्यारे उर्फ प्यारेलाल निवासी पुराना नैनी पुल फूलमण्डी थाना नैनी प्रयागराज, उम्र करीब 48 वर्ष ।

Moments of love- beautiful views of Himachal, 5 places best for honeymoon! Book tickets blindly

Every couple is very excited about going on honeymoon after marriage. For this, they want to go to the best honeymoon destination. If you are also getting married in summer, then we are going to tell you about five romantic places in Himachal Pradesh. These places will bring both of you closer to each other. On honeymoon, couples live the beautiful moments of their life. Moments spent on honeymoon are remembered for a lifetime. A great destination for honeymoon can make everything memorable. Hardly anyone likes summer weddings. Stickiness and humidity make life difficult for people. Makeup gets washed away due to sweat. During this time, not only the guests but also the bride and groom have to face many difficulties. However, the marriage takes place somehow. There are many rituals even after the marriage. The bride and groom are busy in that too. In such a situation, when they get some free time, the new couple plans a honeymoon. This is a very special moment for a newly married couple. Be it winter or summer, honeymoon is very special for everyone. In a way, it is a golden moment to start life. That is why couples do not want to leave any stone unturned in making the honeymoon special. If you also want to make your honeymoon memorable, then this article is for you. Today in this article, we are going to tell you about such beautiful places in Himachal Pradesh where you must go for honeymoon. Here you will be able to spend quality time with your partner. Let's know about those places in detail - Manali Manali is known for being a famous honeymoon destination. Here the snow-covered mountains, flowing Beas river and calm atmosphere give a romantic atmosphere to the couples. You can visit places like Rohtang Pass, Solang Valley, Hidimba Temple here. Walking in the snow holding hands is no less than a film scene. This can be an economical trip. Shimla Shimla, the capital of Himachal Pradesh, is the best destination for honeymoon. Places like Mall Road, Ridge, Kufri and Narkanda here are very beautiful to see. At the time of snowfall, the beauty of Shimla increases so much as if heaven has come on earth. This is a great option for the beginning of your new life. Dalhousie If you want to celebrate your honeymoon in a quiet and less crowded place, then Dalhousie can be the best option. This place reminds you of the British era. The beauty of this place will bring the new couple closer to each other. You can also go to Khajjiar from here. The view here is very romantic. Kasauli Situated in Himachal Pradesh, Kasauli is a hill station which is very romantic and there is a lot of peace here. The weather here is so romantic that your honeymoon will become the best honeymoon. Couples can spend quality time here. Dharamshala Dharamshala is called heaven on earth. McLeodganj in Dharamshala has a different identity for its snow-capped mountains and Buddhist monasteries. If you are also looking for such a place for honeymoon, then you must go here. Many couples come here to celebrate their honeymoon.

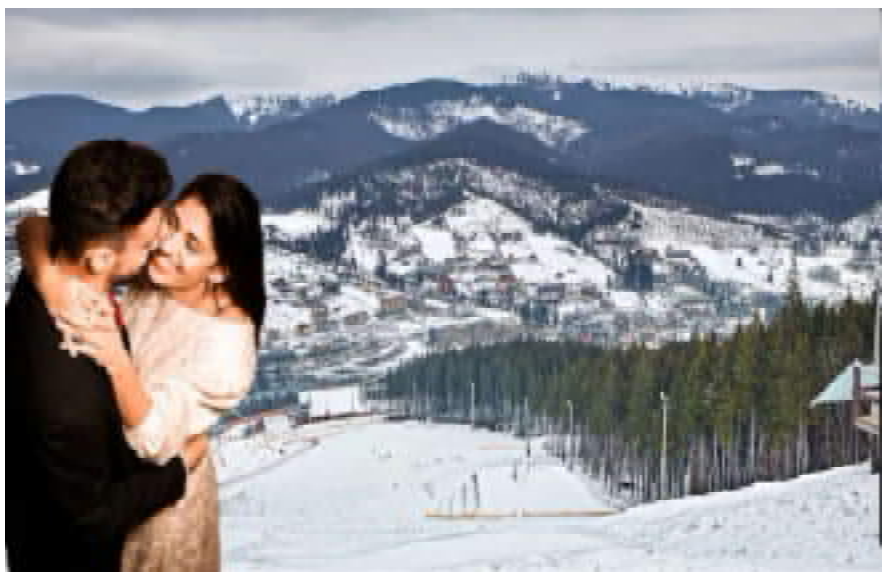

These 6 fruits have more calcium than milk and cheese, can fill life in all 206 bones

Just as our body needs nutrients like protein and iron, similarly calcium is also considered essential for the body. Calcium is helpful in strengthening our oral health, bones and muscles. Some fruits are also available in the market which contain a good amount of calcium. Calcium is needed to strengthen bones. Apart from dairy products, fruits also contain calcium. Make sure to include calcium-rich fruits in your diet. In today's busy life, most people are suffering from diseases. Working for hours by sitting is causing joint pain. Bones are becoming weak. Apart from this, they are also not able to take proper care of their oral health. For our body to function properly, it is necessary for the body to get all the necessary nutrients. When you are taking the right amount of vitamins and minerals, diseases do not come near you. Calcium is one of those essential minerals. It strengthens the bones and is also important for dental health. Well, you all know that milk and cheese contain a good amount of calcium. But today we are going to tell you about such fruits which are a good source of calcium. Let's know in detail- Figs Figs are a nutritious fruit. It contains a good amount of calcium. Whether you eat it fresh or dry, both ways it will fulfill the calcium deficiency in your body. About 162 grams of calcium is found in 100 grams of dried figs. Eating it keeps the bones strong. It also keeps the digestion healthy. Oranges Everyone knows that oranges contain a good amount of vitamin C. But do you know that they are also a good source of calcium. 50 to 60 milligrams of calcium is found in a small orange. You can eat it or even drink its juice if you want. Guava Who doesn't like to eat guava? It is not only delicious to eat but is also full of nutrients. It contains a good amount of calcium along with vitamin C. If you include it in your diet daily, it strengthens the bones. It also strengthens the immunity. Kiwi Kiwi contains calcium along with vitamin C. But its benefits are huge. A medium-sized kiwi contains 34 to 35 milligrams of calcium. It takes care of our health as well as our skin. Blackberry and raspberry, both these fruits are rich in antioxidants. They also contain a good amount of calcium. These fruits are considered beneficial for the health of bones, especially for women. Dates Dates are called energy boosters. It is a good source of calcium. If you eat dates daily, your body remains energetic. Bones also get strength.

Pull-Ups can make even a thin body look like a rock, keep these 4 things in mind to get full benefit

Pull-Ups may look simple but it is a very effective exercise. If you practice this exercise daily, it makes the body strong. In the beginning, it will seem a little difficult to do, but gradually it will become easier. Make sure to include Pull-Ups in your routine. Pull-Ups is an effective body weight exercise. It strengthens the upper part of the body. It can be done without any machine. In today's busy life, people are not able to take proper care of their health. The problem of obesity is seen in every second person. In such a situation, people go to the gym, do cardio. Follow many types of diets. This makes it easy to lose weight. One of those exercises is Pull-Ups. This is a great exercise, which helps in strengthening the muscles of your back, shoulders and arms. It is said that pull-ups are more beneficial for men than women. It increases the strength and stamina of the body. If pull-ups are done correctly, then it not only strengthens the muscles but also reduces the risk of injury. Along with this, weight is also reduced. Let's know about its benefits. Also, we will know what is the right way to do it. Make the upper part of the body strong Pull-Ups work on the muscles of your back, shoulders, chest and arms. By doing this, your upper body muscles become strong. Along with this, strength also increases. Especially the latissimus dorsi (wide muscles of the back) is very beneficial. Core muscles get activated While doing Pull-Ups, your stomach gets pulled inwards. Due to this the core muscles get activated. The muscles between the waist and the stomach are called Core Muscles. This exercise also helps in reducing stomach fat and making abs. Improves fitness Pull-Ups are considered an indicator exercise. The number of times you do it shows your fitness level. In the beginning it can be difficult to do it even twice, but gradually by practicing you are able to do it many times. This also improves your fitness. Makes the body solid Pull-Ups is an excellent exercise for those who want a muscular body. It helps in muscle growth. Apart from this, it also tones the body. If you do pull-ups daily, it gives a good shape to your arms, shoulders and back. Improves mood Pull-ups release endorphins, which help in reducing stress and improving mood. If you do this exercise daily, your mood remains good. Focus increases. Grip strength increases Doing pull-ups strengthens the grip of your hands. This not only helps in other exercises, but also increases the strength of hands in everyday tasks. How to do pull-ups For pull-ups, hold the grip wider than the shoulders, palms facing away from you. While hanging, tighten the core and engage the back muscles. Pull your chest towards the grip until your chin comes up. Go down slowly. Do it a couple of times in the beginning, gradually increase the number. While exercising, keep these things in mind: Choose the right grip, maintain body balance, practice regularly, do not forget to warm up

These stars including Shah Rukh-Priyanka will spread their charm on the red carpet, when and on what theme will the Met Gala be?

Met Gala 2025 The world's most talked about fashion event Met Gala is going to be held soon. This time it is also special for Bollywood because many famous stars will be seen flaunting their style statement on the red carpet this time. When is the Met Gala being organized, which Bollywood celebs are coming and where will they be, read the full article to know the answers to these questions. Met Gala will be held in New York on May 5 Classic menswear is the dress code of Met Gala Shah Rukh Khan is making his debut in Met Gala The Costume Institute Gala, popularly known as Met Gala, is one of the prestigious and glamorous events in the fashion world. This fashion event is known for its unique fashion, celebrity presence and strange theme. Every year the gala has a special theme, and guests have to dress according to that theme. Met Gala has been organized for the last 77 years and this year too it will be organized on a large scale. This time many Bollywood celebs will also show their fashion on the red carpet of Met Gala. Know when and where the Met Gala is starting and come... What is Met Gala? Met Gala is a very and who all will fashion event held in New York City which is hosted every year at the Metropolitan Museum of Art. It is a kind of party and the purpose of hosting it is to raise money for the museum's clothing department (Costume Institute). A famous magazine named Vogue organizes this event and its head is Anna Wintour who has been organizing it since 1995. What is the theme of Met Gala 2025? The specialty of Met Gala is that every year a new theme is decided here and celebrities wear outfits accordingly. This time the theme of the Met Gala is 'Superfine: Tailoring Black Style' which is inspired by the black fashion heritage. Talking about the dress code of the event, it will be based on 'Tailored for You' and guests will have to style themselves in classic menswear. When and where will the Met Gala be held? According to Yahoo Entertainment, this year the Met Gala will be held tomorrow i.e. on May 5 at the Metropolitan Museum of Art in New York City. Every year it is hosted at the Metropolitan Museum of Art. The event will start at around 4.30 pm in New York (3:0 am on May 6 as per Indian time). Which Bollywood celebs will attend the Met Gala? Priyanka Chopra will once again be seen showing off her fashion at the Met Gala. She will strut on the red carpet of the Met Gala for the fifth time. Shah Rukh Khan is also going to be a part of the Met Gala for the first time. He will enter the red carpet in Sabyasachi's outfit. Meanwhile, pregnant Kiara Advani, Diljit Dosanjh and Isha Ambani are also a part of the Met Gala.

Surya's blast on Saturday, took away so many crores under the nose of Raid 2-Hit 3

Retro Day 3 Box Office Collection Surya's Tamil romance thriller Retro was one of the most awaited films of this year. Now the film has reached the theatres and is earning crores of rupees. The film released on Thursday gave tough competition to its competitors in terms of earnings. Now whether the film has been able to do wonders in the weekend or not. Know here. After Kanguva, Surya has returned in a retro avatar and is making a splash on the big screen. The film was released in theatres on May 1 and it clashed with Ajay Devgan's Raid 2 and Nani's film Hit 3. Now Retro won on the first day but on the third day its condition was not very good. Surya is counted among the veteran actors of Tamil cinema. Whenever he brings a film, it is sure to be a hit. Even though the film Kanguva released last year could not do much wonders, but his latest release Retro is moving towards becoming a hit. How is the box office collection of Retro? Retro was released in Indian theatres in three languages ??- Tamil, Telugu and Hindi. The Surya starrer movie has printed the most notes in Tamil and Telugu. However, there was a big drop in the earnings of the film on the second day. There was no jump in earnings on the third day as well. Retro, which started with Rs 19.25 crore on the first day, had a drop of about 60 percent in its earnings on the second day i.e. Friday. It was expected that the film would do wonders on the weekend, but it did not happen. According to the early trade of Sacnilk, Retro, directed by Karthik Subbaraj, has done a business of only Rs 7.75 crore on Saturday. The total collection has become Rs 34.75 crore. What is the story of the film Retro? Karthik Subbaraj has written the story of the film Retro and has also handled the direction himself. The story of the film is about a gangster who decides to live a peaceful life away from violence for his wife. Pooja Hegde and Surya are in the lead roles in the film. Apart from this, Shriya Saran, Prakash Raj and Jayaram are in important roles. Talking about the budget of the film, according to the report, the makers had spent about Rs 65 crore to make Retro. In three days, the film has been able to recover only half the budget.

'Uncle-niece romance...' Karisma wanted to debut opposite Rishi Kapoor, not Prem Qaidi, family was afraid

Karisma Kapoor is a famous Bollywood actress and elder sister of Kareena Kapoor. She has given many box office hits including films like Jigar (1992), Anari (1993) and Raja Babu (1994). The actress debuted in the year 1991 with the film Prem Qaidi. But do you know that Karisma wanted to debut with some other film? Karisma Kapoor is one of the most favorite actresses of the 1990s. She is also the first woman from Bollywood's OG Kapoor family to work in films. Many men of this family married their co-stars. However, the women of the Kapoor family kept a distance from the glamour of this world. Quit acting after marriage Karisma Kapoor's father Randhir Kapoor married actress Babita while her uncle Rishi Kapoor married actress Neetu Singh. However, women born in the Kapoor family stayed away from films. Karisma broke this leak and entered the film industry. Grandfather supported Karisma In an interview also, Karisma was asked about her view on the fact that daughters-in-law in the Kapoor family quit acting after marriage. Answering this, Karisma said that her grandfather Raj Kapoor also knew that she would become an actress and he supported her. The actress said, "I don't know why everyone is under this confusion. In fact, my father encourages me now. He always tells me, 'Don't let the Kapoor name fade away'. Even my grandfather (Raj Kapoor) would always say Lolo baby, I know you will become an actress. But I just want to tell you one thing, if you become an actress, be the best, don't be otherwise."Karisma Kapoor made her Bollywood debut in 1991 with the film Prem Qaidi. She was 17 years old at the time. The film was a box office success and received mixed reviews from critics.Would Heena have been Karisma's debut film? Although Karisma made her debut with Prem Qaidi, not many know that the actress wanted to start her career with her grandfather Raj Kapoor's film Heena, which released the same year. In a throwback interview, according to Bollywood Shaadis, Karisma revealed that she would have loved to be a part of Heena. But things did not work out, as the film starred her uncle Rishi Kapoor. Veteran actor Rishi Kapoor played the lead role in the film, and the family thought it would lead to many rumours of the niece romancing her uncle, which would not bode well for the two